संतों के चरणों की भक्ति में ही आनंद और सुख की होती है प्राप्ति

इंदौर। संतो के चरणों की भक्ति में ही आनंद और सुख की प्राप्ति होती है,जीवन में सदेव आनंद सुख चाहते हो तो संतो के चरणों की भक्ति करना चाहिए जिसके जीवन में संत है उसके जीवन में ही बसंत है, जीवन में संतों का संग होना ही चाहिए।

संतो की कृपा हमेशा बनी रहना चाहिए, संतों का सानिध्य जीवन में बहुत आवश्यक होता है, हरि गोविंद का स्मरण हमेशा करना चाहिए,संसार सुख में साथ देता है भगवान हरि दुख में साथ देते है, हमेशा परमात्मा में लीन रहना चाहिए, भक्ति मार्ग में चलते हुए शालीनता बनी रहना चाहिए यह बाते ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के दूसरे दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में सत्कर्म करते चले।

आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। कथा में वंदना श्री जी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा में भगवान की लीलाओं का कलाकारो ने मनमोहक नाट्य मंचन भी किया। व्यासपीठ का पूजन अर्चन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, हृदयेश दिक्षित, भारत रघुवंशी,गणेश गोयल,राज दीक्षित, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया।